दिल्ली पब्लिक स्कूल वाराणसी

कक्षा - II ,   पाठ - चलो , केक बनाएँ

प्र. किसने कहा ? (मेल करें)

परी	मैं कहानी पढ़ रहा हूँ, मदद नहीं कर सकता हूँ।
मोहित	मैं तो अपनी गुड़िया से खेल रही हूँ मदद नहीं कर सकती।
मुदिता	मैं तो गपशप कर रही हूँ, मदद नहीं कर सकती हूँ।
शिखा	मैं तो कार्टून देख रही हूँ, मदद नहीं कर सकती हूँ।
रेहान	मैं तो कंप्यूटर में चित्र बना रहा हूँ, तुम्हारी मदद नहीं कर सकता।
रुचि	ठीक है। मैं खुद ही बना लेती हूँ।